समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19

अ

जैन विद्या भाग – 3 व 4 संयुक्त परीक्षा

(जैन विद्या भाग–3 एवं 4 के पाठ्यक्रम से)

समय : 1 घण्टा पूर्णांक 50

नामांक अंको में ....

शब्दों में......................................

नोट :– सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 50 अंक होंगे।

1. तेरापंथ की विशेषता हैं–

   (अ) एक आचार (ब) एक विचार

   (स) एक आचार्य (द) सभी ( )

2. जीव योनी कितनी हैं–

   (अ) चौरासी हजार (ब) चौरासी लाख

   (स) अस्सी हजार (द) सात लाख ( )

3. आर्जव मार्दव किस धर्म के प्रकार हैं–

   (अ) आगार धर्म (ब) अनगार धर्म

   (स) श्रमण धर्म (द) चारित्र धर्म ( )

4. विद्या का अहंकार किसे था–

   (अ) आचार्य हेमचन्द्र (ब) आचार्य हरिभद्र

   (स) आचार्य सुधर्मा (द) आचार्य भिक्षु ( )

5. प्रतिक्रमण का समय कितने मिनिट का विर्दिष्ट है–

   (अ) 48 मिनिट (ब) 60 मिनिट

   (स) 108 मिनिट (द) 24 मिनिट ( )

6. माणकगणी कितने दिनों तक युवाचार्य रहे–

   (अ) 4 वर्ष (ब) 4 माह

   (स) 4 वर्ष 4 दिन (द) 4 दिन ( )

7. चरम महोत्सव कब मनाया जाता हैं–

   (अ) माघ शुक्ल सप्तमी (ब) आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा

   (स) कार्तिक कृष्ण अमावस्या (द) भाद्रव शुक्ल त्रयोदशी ( )

8. श्वेताम्बर परम्परा में मुख्यता कितने सम्प्रदाय हैं–

(अ) 4 (ब) 13

(स) 2 (द) 3 ( )

9. सम्यकत्व के दो हेतु हैं–

(अ) क्षायिक वेदक (ब) सम, संवेग

(स) शंका, कांक्षा (द) निसर्ग, अधिगम ( )

10. आचार्य माणकगणी के शासन काल में कितनी दीक्षाएं हुई–

(अ) 25 (ब) 15

(स) 125 (द) 40 ( )

11. मेरे हाथ में मेरा गेडिया हैं। यह किसने कहा–

(अ) आचार्य तुलसी (ब) मंत्री मुनि मंगनलालजी

(स) मंत्री मुनि सुमेरमलजी (द) मनि कनक ( )

12. श्वेताम्बर के अनुसार दिगम्बर परम्परा का जन्म कब हुआ।

(अ) वीर–निर्वाण 906 (ब) वि.सं. 1609

(स) वीर–निर्वाण 600 (द) वीर–निर्वाण 609 ( )

13. इनमें से कौनसा नाम जैन धर्म का पर्यायवाची नहीं हैं–

(अ) वैदिक धर्म (ब) श्रमण धर्म

(स) अर्हत्‌ धर्म (द) निर्ग्रन्थ धर्म ( )

14. ऐलोरा में उत्कीर्ण जैन गुफाएं कितनी हैं–

(अ) 10–20 (ब) 5–15

(स) 30–40 (द) 32–33 ( )

15. तीसरे तीर्थंकर का क्या नाम है–

(अ) भगवान महावीर (ब) भगवान नमिनाथ

(स) भगवान अजितनाथ (द) भगवान संभवनाथ ( )

16. आचार्य श्री तुलसी ने आगमों को सुव्यवस्थित सम्पादन का संकल्प किया–

(अ) वि.सं. 2012 (ब) वि.सं. 2013

(स) वि.सं. 2018 (द) वि.सं. 2010 ( )

17. प्रयाण गीत के रचनाकार कौन थे–

(अ) आचार्य महाश्रमणजी (ब) आचार्य जीतमलजी

(स) आचार्य महाप्रज्ञजी (द) आचार्यश्री तुलसीगणी ( )

18. गणधर वायुभूति गौतम ने कितने शिष्यों के साथ दीक्षा ली–

(अ) 5000 (ब) 300

(स) 500 (द) 50 ( )

19. जैन परम्परा में दीक्षा की न्युनतम आयु हैं।

(अ) 12 वर्ष (ब) 9 वर्ष

(स) 11 वर्ष (द) 21 वर्ष ( )

20. मेघकुमार का पूर्व भव था।

(अ) गधा (ब) सर्प

(स) मनुष्य (द) हाथी ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. प्रभव चोर के पास............................... और उद्घाटिनी दो विधाएँ थी।
2. लक्ष्य हैं ऊँचा हमारा, हम...के गीत गाएँ।
3. भारमलजी के दो पुत्र थे ताराचन्द और...
4. जीव और अजीव इन दो राशियों में पूरा...........................समा जाता हैं।
5. मंडित ने..गणधर का पद प्राप्त किया।
6. ....कला कृष्ण नदी के तट पर विकसित हुई।
7. संसारी जीवों के जन्म स्थान प्रमुख रुप से चार हैं, जिन्हें...कहते हैं।
8. धर्म दो प्रकार का हैं...........................और....................................
9. आचार्य कालूगणी के पिता का नाम..व माता का नाम..था।
10. श्वास दो प्रकार का होता हैं..................................और प्रयत्न जनित।
11. ज्योतिष्क पाँच प्रकार के हैं, चन्द्र...................ग्रह, नक्षत्र और..............
12. प्रतिक्रमण का दूसरा नाम हैं...
13. सुप्रसिद्ध जर्मन विद्वान.................................18 भाषाओं के विद्वान थे।
14. जप के मुख्यत: दो भेद हैं...............................और........................

15. प्रतिक्रमण के पहले आवश्यक का नाम ....हैं।

16. चंदेसु निम्मलयरा,..पयासयरा।

17. आचार्य महाप्रज्ञ को...................................की उपाधि से वर्धापित किया।

18. ओसा-उत्तिंग-पणग का क्या अर्थ हैं...

19. आचार्य डालगणी...संबोधन से विख्यात थे।

20. जैन और बौद्ध ये..के संवाहक हैं।

सही और गलत का चयन कर (✓) या (×) का चिन्ह लगाएं-

1. लक्ष्य तक पहुंचने का सबसे बड़ा उपाय अविश्वास हैं। ( )
2. भगवान महावीर ने कार्तिक शुक्ल अमावस्या को निर्वाण प्राप्त किया था। ( )
3. आचार्य डालगणी का स्वर्गवास उज्जयिनी में हुआ। ( )
4. प्रतिक्रमण का तीसरा आवश्यक हैं वंदना सूत्र ( )
5. श्रावक रूपचन्दजी मात्र 45 तोला जल से स्नान किया करते थे। ( )
6. नरक की सात भूमियाँ हैं। ( )
7. छ: आवश्यकों में सामायिक छठा आवश्यक हैं। ( )
8. बाल मुनि कनक ने आचार्य तुलसी के पास दीक्षा ग्रहण किया। ( )
9. आचारांग के भाष्यकार आचार्य डालगणी थे। ( )
10. जिणाणं का अर्थ हैं राग-द्वेष को जीतने वाले। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19

ब

जैन विद्या भाग – 3 व 4 संयुक्त परीक्षा

(जैन विद्या भाग–3 एवं 4 के पाठ्यक्रम से)

समय : 2 घण्टा पूर्णांक 50

नोट :– उत्तीर्णांक 100 में से 50 अंक होंगे।

A **शब्दार्थ लिखें (कोई पांच)** **5×1=5**

(1) किलामिया (2) ठामि, काउस्सग्गं (3) विमल मंणतं च जिणं

(4) लोगनाहाणं (5) पित्तमुच्छाएं (6) मोयगाणं

B **शब्दों को शुद्ध लिखें (कोई पांच)** **5×1=5**

(1) पेचेदिया (2) सीधिगइनामधेयी (3) भोहीदायणं

(4) जो मो जीवा (5) पित्तीमुचाए (6) वितिया

(7) कीत्तहीस्सं

C **यथानिर्दिष्ट लिखिए– (कोई पाँच)** **5×2=10**

(1) सामायिक–प्रतिज्ञा (2) सत्य अणुव्रत (3) आलोचना सूत्र

(4) प्रथम दस पाप (5) सामायिक व्रत (6) अभ्युत्थान सूत्र

D **संक्षिप्त उत्तर दीजिए – (कोई पाँच)** **5×3=15**

1. जम्बू को वैराग्य कैसे हुआ?
2. श्रावक रूपचन्दजी की क्षमाशीला का उदाहरण दीजिए–
3. ''मल्लि की युक्ति'' के बारे में लिखें।
4. महाव्रत कितने हैं और उनके नाम लिखें एवं प्रथम महाव्रत को समझायें?
5. मिथ्यात्व के दस प्रकार लिखें।
6. दर्शन सम्यक्त्व लिखें।

E **निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें (कोई तीन)** **3×5=15**

1. नवीन संघ का समुचित संरक्षण करने के लिए आचार्य भिक्षु ने कितने विशेष काम किए? नाम बताएं और उनकी जानकारी दें।
2. प्रेक्षाध्यान के मुख्य अंग विस्तार से समझाएँ?
3. मजने वाली घटना एवं रुढ़िवादी के विरोधी वाली घटना प्रसंग लिखें।
4. सामायिक कैसे करें और उसके क्या लाभ हैं?